Department of PG Studies & Research in Hindi and Linguistics

Syllabus of All Programme

INDEX

S.No.	Name of Programme	Page No.
1	MA in Hindi Syllabus	2-7
2	PG Diploma in Ramcharitmanas	8-11
3	PG Diploma in Rojgaarunmukhi Pryojan	12-15
4	Pre. Ph.D. Course Work Syllabus	16-23

हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग,
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
एम. ए.(हिंदी) प्रथम सेमेस्टर
सीबीसीएस पद्धति एल.ओ.सी.एफ आधारित

पाठ्यक्रम उसके उद्देश्य, अधिगम परिणाम एवं विशिष्टता

1. कार्यक्रम/प्रश्न पत्र हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल) HDC 1

उद्देश्य Objective

हिंदी साहित्य लेखन परंपरा, साहित्य लेखन की समस्या, आदि काल का नामकरण मध्यकाल भक्तिकाल और रीतिकाल के अध्ययन के माध्यम से जानकारी प्रदान कराना।

प्रश्नपत्र अधिगम परिणाम Program out come

इस अध्ययन से छात्र मध्यकालीन परिस्थितियों के साथ–साथ साहित्यिक अवदान की जानकारी प्राप्त कर सकेगा।

2. कार्यक्रम/प्रश्नपत्र प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य HDC 2

उद्देश्य Objective

इस युग को तत्कालीन सामाजिक स्थिति का चित्रण कर भारतीय संस्कृति एवं उसकी विरासत से विद्यार्थियों को परिचित कराया जाना है।

प्रश्नपत्र अधिगम परिणाम Program out come

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी को भक्तिकालीन कवियों एवं उनके काव्य की जानकारी प्राप्त हो सकेगी और वैशिष्टय से परिपूर्ण होंगे– कबीर की समाज सुधार भावना और रामचरितमानस से तुलसीदास की समरसता से परिचित होंगे। इन कालजयी रचनाओं के अध्ययन से काव्य सौन्दर्य, छन्द, गुण, अलंकार को समझने में समर्थ होंगे।

3 कार्यक्रम/प्रश्न पत्र हिंदी भाषा और व्याकरण HDC 3

उद्देश्य Objective

हिंदी भाषा के आधुनिक स्वरूप से परिचित कराना, भाषा और व्याकरण का संबंध बताना एवं नियमों का सही ज्ञान कराना आवश्यक है।

प्रश्नपत्र अधिगम परिणाम Program out come

इस कोर्स को पूर्ण करने के पश्चात् छात्र निम्नांकित वैशिष्टय से परिपूर्ण होंगे 1. व्याकरण की मूलभूत अवधारणाओं का सम्यक् बोध होगा। 2. निरुक्त या व्युत्पत्ति के अनुप्रयोग के माध्यम से वैदिक छंदों के सार को समझने में सक्षम होंगे।

4. कार्यक्रम/प्रश्न पत्र अनुवाद – सिद्धांत और प्रयोग HDC 4

उद्देश्य Objective

हिंदी को रोजगारपरक बनाने के लिए कंप्यूटर प्रोग्रामिंग की जानकारी देने के साथ अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार कला का ज्ञान प्रदान करना है।

प्रश्नपत्र अधिगम परिणाम Program out come

अनुवाद, आधुनिक युग के प्रत्येक कार्य क्षेत्र और व्यवहार की महती आवश्यकता है। इसके विविध आयामों से न केवल रोजगार या जीविका की समस्या हल होगी, अपितु राष्ट्भाषा तथा राजभाषा का संस्कार भी दृढ़ होगा क्योंकि बौद्धिक सांस्कृतिक आदान–प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका सराहनीय है।

कोर्स विशिष्टता परिणाम course out come

इस कोर्स को पूर्ण करके छात्र अपनी भारतीय संस्कृति एवं प्राचीन साहित्य की जानकारी प्राप्त करके व्याकरण और अनुवाद कला में दक्ष हो सकेंगे। छात्र भाषा संबंधी समस्याओं को हल करने के लिए अनुप्रयोगों का विश्लेषण, डिजाइन और विकास करने में पारंगत हो जाते हैं। इस कार्यक्रम के सीखने के परिणाम समस्या को कुशलता से हल करने के लिए समकालीन सिद्धांत, कानूनों और यांत्रिक उपकरणों को एकीकृत करने और लागू करने में शिक्षार्थी को अच्छी तरह से कुशल बनाने पर जोर देते हैं।

द्वितीय सेमेस्टर क्रेडिट अंक 4.5

5 कार्यक्रम /प्रश्न पत्र हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) HDC 5

उद्देश्य Objective

गद्य एवं गद्य की प्रमुख विधाओं का विकास आधुनिक काल अर्थात् 19वीं शताब्दी में हुआ। आधुनिक काल की राजनीतिक, सामाजिक परिस्थितियों का अध्ययन। आधुनिक काव्य की विभिन्न प्रवृत्तियों का अध्ययन।

प्रश्नपत्र का अमिधगम परिणाम Program out come

आधुनिक काल, गद्य के विकास काल रहा। काव्य में जहां पुराने प्रतीक बिम्ब विधानों का नवीनीकरण हुआ वहाँ कविता का शिल्पगत सौंदर्य भी विस्तृत हुआ। इस काल का पूर्वार्द्ध काल स्वतंत्रता की लड़ाई काल था। वहीं उत्तरार्द्ध हमारी अस्मिता की पहचान का काल रहा। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में आधुनिक काल की नवीन विचार धाराओं का ज्ञानार्जन और गद्य की विधाओं की जानकारी होगी।

कार्यक्रम /प्रश्न पत्र 6 हिंदी उपन्यास एवं लघु कथा साहित्य HDC 6

उद्देश्य Objective

हिंदी उपन्यास, उपन्यासकारों की रचनाओं की विशेषताएँ। लघु कथा की विशेषताएँ और लघु कथाकारों का परिचय कराना प्रमुख उद्देश्य है।

प्रश्नपत्र अधिगम परिणाम Program out come

उपन्यास एवं लघु कथा – आधुनिक हिंदी गद्य की विधाओं में उपन्यास सर्वाधिक विकसित तथा लोकप्रिय है। अभिव्यक्ति के विस्तृत और सशक्त माध्यम के रूप में अपने को प्रतिष्ठित किया है। इसी तरह लघु कथा भी आधुनिक हिंदी गद्य के नए परिवेश में समाज के साथ जुड़ रही है। अतः इस विधा का ज्ञान प्राप्त होगा।

कार्यक्रम / प्रश्न पत्र 7 भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य शास्त्र HDC 7

उद्देश्य Objective

साहित्य को तैयार करने में या लिखने में कौन कौन से नियम और सिद्धांत का प्रयोग किया जाना चाहिए इसकी समझ पैदा करना और सीखना ताकी छात्र स्वयं भी लेखन की ओर प्रवृत्त हो तो उसे भारतीय साहित्य शास्त्र के अलावा पाश्चात्य सिद्धांत का ज्ञान हो।

प्रश्नपत्र अधिगम परिणाम Program out come

भारतीय काव्यशास्त्र प्राचीन ज्ञान शाखा है, जो अद्यतन प्रवाहित है। भारतीय काव्यशास्त्र की सुदीर्घ परंपरा है, जिसमें रस, अलंकार, रीति, वक्रोक्ति और औचित्य सिद्धांत की जाकारी आवश्यक है। ये भाषा के महत्त्वपूर्ण घटक भी हैं। पाश्चात्य काव्यशास्त्र के चिंतन का प्रारंभ प्लेटो से माना जाता है इसमें ड्राइडन, विलियम वर्डस्वर्थ, कॉलरिज, मैथ्यू अनाल्ड, आई.ए. रिचर्डस, और टी.एस. इलिएट आदि के विचारों से विद्यार्थी परिचित हो सकेगा।

कार्यक्रम / प्रश्न पत्र 8 हिंदी भाषा की उत्पत्ति व विकास और हिंदी की संरचना HDC 8

उद्देश्य Objective

हिंदी भाषा के आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण की जानकारी के साथ उसके व्याकरण को समझना अति आवश्यक है विशेषकर व्याकरणिक कोटियों को जानना और उसके अनुसार शुद्ध वाक्य की संरचना करना। हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी का ज्ञान, साथ ही तकनीकी की मांग के आधार पर हिंदी में कंप्यूटर प्रणाली का ज्ञान, और केंद्र शासन एवं राज्य शासन के कार्यालयों के लिए रोजगारोंन्मुखी राजभाषा संबंधी ज्ञान प्रदान करना।

प्रश्नपत्र अधिगम परिणाम Program out come

हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि अत्यंत विस्तृत है। आधुनिक आर्य भाषाओं के वर्गीकरण के साथ उनका परिचय आवश्यक है। क्षेत्रीय बोलियों का अध्ययन परम आवश्यक है, जिससे समरसता को बढ़ावा मिलेगा। छात्र वैशिष्ट्य से परिचित हो सकेंगे – भाषा, भाव, विचार, शब्द, अर्थ और इनके पारस्परिक संबंध को सम्यक रूप से जानने में सक्षम होंगे। शब्द का प्रयोग, उसका अर्थ ग्रहण कर वाक्य रचना में प्रयोग करने में सक्षम होंगे।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम course out come

विभाग ने कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों के सीखने के परिणामों को स्पष्ट रूप से बताया जाएगा। विभाग छात्रों और संकाय के लिए तैयार संदर्भ के लिए पाठ्यक्रम की प्रति प्रदान करता है। जिसे फैकल्टी, छात्रों, अभिभावकों और पूर्व छात्रों जैसे सभी हितधारकों द्वारा एक्सेस किया जा सकता है।

तृतीय सेमेस्टर क्रेडिट अंक 4.5

कार्यक्रम / प्रश्नपत्र 9 आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद) HDC 9

उद्देश्य Objective

आधुनिक काल के प्रारंभिक चरण अर्थात् भारतेन्दु युग से द्विवेदी एवं छायावदी युग की कविता की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि और युगीन सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक परिस्थितियों की जानकारी देकर कविता को युगीन संदर्भों से जोड़कर अध्ययन कराना।

प्रश्नपत्र अधिगम परिणाम Program out come

हिंदी साहित्य का आधुनिक काल के जयशंकर प्रसाद छायावादी काव्यान्दोलन के जनक और विशिष्ट कवि हैं। उनके श्रेष्ठ महाकाव्य 'कामायनी' के अध्ययन से छायावादी कविता का स्वरूप सरलता पूर्वक समझाया जा सकेगा। उनके अलावा राष्ट्कवि मैथिलिशरण गुप्त, सुमित्रानंदन पंत, निराला और महादेवी वर्मा, जो कि छायावाद के चार स्तंभ कहे जाते हैं इनकी कविताओं और भाषा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

कार्यक्रम / प्रश्न पत्र 10 भाषाविज्ञान HDC 10

उद्देश्य Objective

हिंदी की लिपि देवनागरी है उसके प्रयोग के लिए जिसकी व्यवस्था अर्थात् स्वन, रूप, वाक्य, अर्थ और प्रोक्ति को समझना आवश्यक है। भाषाविज्ञान के ये अंग कहलाते हैं इनके ज्ञान से ही भाषा एवं उसकी व्यवस्था का सम्यक् ज्ञान दिलाया जा सकता।

प्रश्नपत्र अधिगम परिणाम Program out come

भाषा मनुष्य के विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम है। भाषा एक व्यवस्था है, जो प्रकृति में परिवर्तनीय है। कहा जाता है कि 'कोस कोस पर पानी बदलै, चार कोस पर वाणी'', भाषा आज स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर पाठ्यकम के अनिवार्य तत्त्व के रूप में सिखाया जा सकेगा।

कार्यक्रम / प्रश्न पत्र 11 नाटक और निंबध HDC 11

उद्देश्य Objective

भरत मुनि की नाट्य परंपरा, आधुनिक युग तक आते हुए कई पड़ावों को पार कर नए परिवेश और समाज के साथ जुड़ते हुए दृश्य माध्यम तक रंगमंच पर प्रदर्शित किया जाने लगा। इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को उस अतीत के आदर्श का परिज्ञान कराना तथा वर्तमान को समृद्ध बनाने की प्रेरणा देना पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

प्रश्नपत्र अधिगम परिणाम Program out come

भारतेन्दु जी के पश्चात् जयशंकर प्रसाद, हिंदी नाटकों के पुरोधा हैं। प्रसाद जी ने भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्यकला का सम्मिश्रण करते हुए अतीत की घटनाओं को स्मरण करते हुए वर्तमान को प्रेरित करने का प्रयास किया है। मानवीय मूल्यों का संदेश दिया है। प्रसाद जी ने पौराणिक एवं ऐतिहासिक नाटकों की रचना कर हमारी परंपरा को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है जिसका ज्ञान छात्र पा सकेंगे।

कार्यक्रम / प्रश्न पत्र 12 लोक साहित्य HDC 12

उद्देश्य Objective

लोक संस्कृति का इतिहास, परंपरा बताते हुए लोक संस्कृति से राष्ट्वाद का ज्ञान कराना। लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों के बीच संबंध बताना तथा रंगमंच पर लोक नाट्यों के प्रभाव का अध्ययन कराना।

प्रश्नपत्र अधिगम परिणाम Program out come

भारत की आत्मा लोक में बसती है। जबलपुर विश्वविद्यालय आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र का विश्वविद्यालय है। जहां पर लोक संस्कृति, लोक कथा की प्राचीन परंपरा है। उन्हें साहित्य में समेट कर लोक साहित्य का रूप दिया गया है पर लोक भाव को व्यक्त करने का माध्यम गीत, संगीत, नाट्य कला आदि भी हैं। अतः इसमें लोक साहित्य की अवधारणा, उसके प्रमुख रूपों का वर्गीकरण कर हिंदी लोक साहित्य की परंपरा को समझ सकेंगे है।

पाठ्यक्रम अधिगम पाणिाम course out come

हिंदी और भाषाविज्ञान विभाग द्वारा चलाए जा रहे सभी कार्यक्रमों की भावना इस कार्यक्रम के उद्देश्यों में ही निहित है, अर्थात हिंदी में छात्रों की क्षमताओं को पेशेवर प्रतिभा में विकसित करना और तकनीकी।

चतुर्थ सेमेस्टर क्रेडिट अंक 4.5

कार्यक्रम / प्रश्नपत्र 13 उत्तर छायावाद काव्य और उनका इतिहास HDC 13

उद्देश्य Objective

प्रयोगवाद के पुरोधा अज्ञेय ने कविता को ही कवि का परम वक्तव्य माना है। 'तारसप्तक' के संपादक अज्ञेय को पाठ्यक्रम में रखने का उद्देश्य न सिर्फ उनकी कविताओं का बल्कि उस युग चेतना को समझाना। फैंटेसी शैली के साथ हालावाद, प्रगतिवाद, नई कविता, अकविता तथा जनवादी कविता और उनके रचना शिल्प को समझाना प्रमुख उद्देश्य है।

प्रश्नपत्र अधिगम परिणाम Program out come

छायावादोत्तर आधुनिक हिंदी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का ज्ञान कराते हुए प्रमुख कवियों और उनकी रचनाओं का अध्ययन कराना। छात्र, उनकी प्रगतिशील रचनाधर्मिता, दार्शनिकता, हृदय की उदात्तता तथा भाषा, शैली –शिल्प और विशेषताओं को समझ सकेंगे।

कार्यक्रम / प्रश्नपत्र 14 पत्रकारिता एवं जनसंचार HDC 14

उददेश्य Objective

हिंदी को रोजगारपरक बनाने के लिए पत्रकारिता और जनसंचार के अंतर्गत संपादन कला और इसके विविध आधारभूत प्रकारों का वैज्ञानिक प्रशिक्षण देना।

प्रश्नपत्र अधिगम परिणाम Program out come

पत्रकारिता और जनसंचार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। निर्भीक और निष्ठायुक्त पत्रकारिता समाज, राज्य व देश का आधार है। इसके विविध आयामों से केवल रोजगार या जीविका की समस्या ही हल नहीं होगी वरन् इसकी प्रवृत्ति, महत्त्व एवं उद्देश्य से जनमत निर्माण का कार्य किया जा सकेगा।

कार्यक्रम / प्रश्नपत्र 15 वर्तमान विमर्श और हिंदी साहित्य HDC 15

उद्देश्य Objective

वर्तमान समाज की स्थिति को देखते हुए जाति, नारी, दिव्यांग, वृद्ध, आदिवासी विमर्श का ज्ञान कराना, साहित्यकारों के पत्रों की जानकारी पत्र साहित्य और डायरी विधा के साथ रेखाचित्र संस्मरण को समझना व उसके लिए प्रेरित करना ही इसका उद्देश्य है।

प्रश्नपत्र अधिगम परिणाम Program out come

आधुनिक हिंदी साहित्य में वर्ग विशेष वर्ग द्वारा एवं उनके लिए चिंतन व विमर्श की महत्त्वपूर्ण जानकारी, समस्याएँ और समाधान का ज्ञान हो सकेगा। गद्य की अन्य विधाओं में यात्रा संस्मरण, डायरी विधा, आत्मकथा जीवनी आदि का ज्ञान हो सकेगा।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम Program out come

कार्यक्रम / प्रश्नपत्र 16 परियोजना कार्य / लघु शोध प्रबंध / वैकल्पिक वर्ग HDC 16

लघु शोध प्रबंध / अथवा

ख. क्षेत्रीय शासकीय राजभाषा कार्यालय पर परियोजना कार्य

प्रश्नपत्र अधिगम परिणाम Program out come

कार्यालय में जाकर छात्र कार्य को समझने और उससे अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। छात्र स्वयं के कौशल को विकसित कर सकेगा।

पाठयक्रम वैशिष्टय – Program Specific out come

हिंदी से एम.ए. की शिक्षा प्राप्त करके छात्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों में राजभाषा अधिकारी, अनुवादक और शोधादि कार्यों में निपुण हो सकता है। इसके अलावा हिंदी भाषा के अध्ययन–अध्यापन एवं शोध के कार्य को व्यवसाय के रूप में अपना सकता है।

एक वर्षीय प्रमाणपत्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम

वर्तमान युग में रामचरितमानस की प्रासंगिकता

इकाई एक – मानस का भाषीय स्वरूप :

अ. मानस का वर्णानुक्रम शब्द विधान,

ब. मानस का भाषा चिंतन : रस, छंद अलंकार

इकाई दो – मानस की प्रबंध कल्पना :

अ. वैज्ञानिक, ब. आर्थिक, स. राजनीतिक द. सामाजिक क्षेत्रों का अध्ययन

इकाई तीन – मानस का सांस्कृतिक समन्वय :

अ. लोक और शास्त्र,

ब. भक्ति और ज्ञान

स. मानस की गुरुकुल परंपरा एवं नई शिक्षा नीति

इकाई चार – रामचरितमानस पर्यावरणीय चेतना का काव्य

अ. वनगमन पथ

ब. प्राकृतिक सौंदर्य

स. वन्य प्राणी

इकाई पांच – अंतरराष्ट्रीय सौहार्द्र और समरसता

अ. भ्रातत्व, न्याय व्यवस्था एवं ऋषि परंपरा

ब. अयोध्या शोध केंद्र, अयोध्या उ.प्र. का शोधपरक अध्ययन एवं भ्रमण।

एक वर्षीय प्रमाणपत्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम

वर्तमान युग में रामचरितमानस की प्रासंगिकता

रामचरितमानस का भाषीय एवं सांस्कृतिक स्वरूप

प्रथम प्रश्न पत्र

अधिकतम अंक 100

इकाई एक – मानस का भाषीय स्वरूप :

मानस का वर्णानुक्रम शब्द विधान,

इकाई दो – मानस का भाषा चिंतन

रस, छंद अलंकार

इकाई तीन – मानस की प्रबंध कल्पना :

अ. वैज्ञानिक, ब. आर्थिक,

इकाई चार – रामचरितमानस की ऐतिहासिकता

क राजनीतिक ख. सामाजिक क्षेत्रों का अध्ययन

इकाई पांच – मानस का सांस्कृतिक समन्वय :

अ. लोक और शास्त्र,

ब. भक्ति और ज्ञान

एक वर्षीय प्रमाणपत्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम

वर्तमान युग में रामचरितमानस की प्रासंगिकता

रामचरितमानस पर्यावरणीय चेतना एवं अंतरराष्ट्रीय सौहार्द्र

द्वितीय प्रश्न पत्र

अधिकतम अंक 100

इकाई एक – रामचरितमानस पर्यावरणीय चेतना का काव्य

वनगमन पथ

इकाई दो – रामचरितमानस में प्रकृति

प्राकृतिक सौंदर्य

वन्य प्राणी

इकाई तीन –रामचरितमानस में न्याय और समरसता

भ्रातत्व, न्याय व्यवस्था एवं ऋषि परंपरा

इकाई चार – नई शिक्षा नीति का स्वरूप और रामचरितमानस

मानस की गुरुकुल परंपरा एवं नई शिक्षा नीति

इकाई पांच – अंतरराष्ट्रीय सौहार्द्र

अयोध्या शोध केंद्र, अयोध्या उ.प्र. का शोधपरक अध्ययन एवं भ्रमण।

एक वर्षीय प्रमाणपत्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम

वर्तमान युग में रामचरितमानस की प्रासंगिकता

परियोजना कार्य

अधिकतम अंक 100

एक वर्षीय प्रमाणपत्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम

रोजगारोन्मुखी प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई एक – कामकाजी हिंदी –

हिंदी के विभिन्न रूप, सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।

कार्यालयीन हिंदी, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य – प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षपण, पल्लवन, टिप्पणी।

इकाई दो – पारिभाषिक शब्दावली :

स्वरूप और महत्व, पारिभाषिक शब्दावली का व्यावहारिक प्रयोग।

इकाई तीन – संचार माध्यम

विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप , मुद्रण, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट, रेडियो, समाचार लेखन एवं वाचन,उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन और फीचर।

इकाई चार – पत्रकारिता :

शीर्षक की संरचना, इन्ट्रो, शीर्षक संपादन, संपादकीय लेखन, पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता ।

इकाई पांच – अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रकिया एवं प्रविधि

कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, विधि अनुवाद, कार्यालयीन अनुवाद, कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली , पद नाम विभाग, दूभाषिया प्रविधि एवं आशु अनुवाद।

एक वर्षीय प्रमाणपत्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम

रोजगारोन्मुखी प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रथम प्रश्न पत्र –कार्यालयीन हिंदी एवं संचार भाषा का स्वरूप

अधिकतम अंक 100

इकाई एक – कामकाजी हिंदी –

हिंदी के विभिन्न रूप, सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।

इकाई दो – राजभाषा

कार्यालयीन हिंदी, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य – प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षपण, पल्लवन, टिप्पणी।

इकाई तीन – पारिभाषिक शब्दावली :

स्वरूप और महत्व, पारिभाषिक शब्दावली का व्यावहारिक प्रयोग।

इकाई चार – संचार माध्यम

विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप , मुद्रण, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट, रेडियो।

इकाई पांच – समाचार एवं विज्ञापन लेखन

समाचार लेखन एवं वाचन,उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन और फीचर।

एक वर्षीय प्रमाणपत्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम

रोजगारोन्मुखी प्रयोजनमूलक हिंदी

द्वितीय प्रश्न पत्र

पत्रकारिता संरचना एवं अनुवाद प्रविधि

अधिकतम अंक 100

इकाई एक – पत्रकारिता :

शीर्षक की संरचना, इन्ट्रो, शीर्षक संपादन, संपादकीय लेखन, पृष्ठ सज्जा,

इकाई दो – साक्षात्कार

साक्षात्कार, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता ।

इकाई तीन – अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि

कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, विधि अनुवाद, कार्यालयीन अनुवाद, पद नाम विभाग, दूभाषिया प्रविधि एवं आशु अनुवाद।

इकाई चार – कार्यालयीन हिंदी

कार्यालयीन हिंदी एवं प्रशासनिक शब्दावली

इकाई पांच – पत्राचार

शासकीय एवं अर्धशासकीय पत्राचार

एक वर्षीय प्रमाणपत्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम

रोजगारोन्मुखी प्रयोजनमूलक हिंदी

परियोजना कार्य

अधिकतम अंक 100

हिंदी एवं भाषा विज्ञान विभाग एवं शोध केंद्र

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय

जबलपुर, मध्य प्रदेश

प्री–पी.एच.डी कोर्स वर्क सत्र–2022 (सी.बी.सी.एस.)

कला संकाय

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय

सरस्वती विहार पचपेड़ी

जबलपुर, म.प्र. 482001

Website – rdunijbpin.org

हिन्दी भाषा एवं विज्ञान विभाग
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

प्री–पी.एच.डी कोर्स वर्क सत्र–2022

क्र.	कोर्स कोड	प्रश्न पत्र	अंक	क्रेडिट पॉइन्ट
1	HR1	शोध प्रविधि एवं अनुप्रयोग	100	03
2	HR2	संगणक	50	03
3	HR3	साहित्य सर्वेक्षण	50	03
4	HR4	हिन्दी का प्रगत पाठ्यक्रम	50	03
5	HR5	मौखिकी	50	03

हिन्दी भाषा एवं विज्ञान विभाग
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

प्री–पी.एच.डी कोर्स वर्क सत्र–2022 (सी.बी.सी.एस.)

प्रश्न पत्र–01 – शोध प्रविधि एवं अनुप्रयोग

(पूर्णांक–100)

S.N	Course Code	Title of Course	Max. Marks	No. of Credits (Per week)
1	Ph.D. 1	शोध प्रविधि एवं परिमाणात्मक विधि	50	03
2	Ph.D. 2	प्रकाशित शोध का परीक्षण (Review)	50	03
3	Ph.D. 3	कम्प्यूटर अनुप्रयोग	50	03
4	Ph.D. 4	हिन्दी का प्रगत पाठ्यक्रम	50	03
5	Ph.D. 5	मौखिकी	50	03
		कुल		16

हिन्दी भाषा एवं विज्ञान विभाग
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)
प्री–पी.एच.डी कोर्स वर्क सत्र–2022 (सी.बी.सी.एस.)
प्रश्न पत्र–01 – शोधप्रविधि एवं परिणात्मक विधि

(पूर्णांक–100)

इकाई – 1 शोध का अर्थ, परिभाषा, पर्याय एवं महत्त्व। शोध का स्वरूप। शोध का प्रयोजन। शोध और समीक्षा : साम्य–वैषम्य।

इकाई – 2 शोध के प्रकार। साहित्यिक शोध के प्रकार। विषय चयन की प्रणालियाँ। रूपरेखा निर्माण।

इकाई – 3 सामग्री संकलन के स्रोत और विधियाँ। संकलित तथ्यों और सामग्री का परीक्षण, वर्गीकरण, विश्लेषण–विवेचन एवं निष्कर्ष। हिन्दी शोध का इतिहास। शोध की समस्याएँ और समाधान। शोध–नैतिकता : परिभाषा और महत्त्व।

इकाई – 4 शोधपत्र लेखन : स्वरूप और प्रक्रिया। शोध प्रतिवेदन लेखन। शोधप्रबन्ध और उसके अंग – भूमिका, अध्याय लेखन, उपसंहार। उद्धरण– नाम, लेखक, प्रकाशन, संस्करण, प्रकाशन वर्ष। परिशिष्ट : संदर्भ ग्रन्थ सूची – आधार ग्रन्थ, सहायक ग्रन्थ, पत्र–पत्रिकाएँ, साक्षात्कार, प्रश्नावली चित्र आदि।

इकाई – 5 परिमाणात्मक विधि : अर्थ, परिभाषा एवं वर्गीकरण। परिकल्पना का अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार। निदर्शन (सैंपलिंग) का अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार। तथ्य : परिभाषा, विशेषताएँ और महत्त्व। तथ्यों के प्रकार और स्रोत। तथ्य संकलन की विधियाँ – सर्वेक्षण, साक्षात्कार एवं प्रश्नावली।

निर्देश : प्रत्येक इकाई से आन्तरिक विकल्प के रूप में दो प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न हल करना होगा। इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

हिन्दी भाषा एवं विज्ञान विभाग
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

प्री–पी.एच.डी कोर्स वर्क सत्र–2022 (सी.बी.सी.एस.)

प्रश्न पत्र–02 – प्रकाशित शोध का परीक्षण (Review)

(पूर्णांक–50) क्रेडिट –3

हिन्दी भाषा एवं विज्ञान विभाग
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

प्री–पी.एच.डी कोर्स वर्क सत्र–2022 (सी.बी.सी.एस.)

प्रश्न पत्र–03 – कम्प्यूटर अनुप्रयोग

(पूर्णांक–50) क्रेडिट–3

इकाई – 1 कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा एवं महत्त्व। आधुनिक शोध में कम्प्यूटर का उपयोग।

इकाई – 2 कम्प्यूटर द्वारा एम.एस. वर्ड से शोध–अधिनिबन्ध/शोधप्रबन्ध का टंकण।
कम्प्यूटर से सारणी निर्माण, तथ्यों का चित्रमय प्रदर्शन–दंडचित्र, रेखाचित्र, वृत्त।

इकाई – 3 इन्टरनेट : स्वरूप, सम्पर्क उपकरणों का परिचय, प्राथमिक रखरखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र।

इकाई – 4 इन्टरनेट एक्सप्लोरर, वेब पब्लिकेशन, पोर्टल, लिंक, ब्राउजिंग।

इकाई – 5 ई–मेल भेजना और प्राप्त करना। डाउनलोडिंग एवं अपलोडिंग। हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल । हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज।

निर्देश : प्रत्येक इकाई से आन्तरिक विकल्प के रूप में दो प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न हल करना होगा। इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर
देने होंगे।

हिन्दी भाषा एवं विज्ञान विभाग
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

प्री–पी.एच.डी कोर्स वर्क सत्र–2022 (सी.बी.सी.एस.)

प्रश्न पत्र–04 – हिन्दी का प्रगत पाठ्यक्रम

(पूर्णांक–50) क्रेडिट–3

इकाई – 1 आधुनिक काव्य चिन्तन

स्वच्छन्दतावाद और यथार्थवाद। संरचनावाद।

इकाई – 2 आधुनिक काव्यचिन्तन

आधुनिक – आधुनिकता।

उत्तर – आधुनिकता।

इकाई – 3 आधुनिक आलोचना की विशिष्टि अवधारणाएँ

मिथक – फनतासी – कल्पना–प्रतीक–बिम्ब।

इकाई – 4 समकालीन आलोचना की विशिष्ट अवधारणाएँ

इकाई – 5 प्रमुख साहित्यिक विमर्श

स्त्रीविमर्श। दलित विमर्श। आदिवासी विमर्श।

निर्देश : प्रत्येक इकाई से आन्तरिक विकल्प के रूप में दो प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न हल करना होगा। इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

हिन्दी भाषा एवं विज्ञान विभाग
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

प्री–पी.एच.डी कोर्स वर्क सत्र–2022 (सी.बी.सी.एस.)

प्रश्न पत्र–05 – मौखिकी

(पूर्णांक–50) क्रेडिट–3